पाठ 8- ऐसे-ऐसे

पष्ठृ संख्या:70

प्रश्न अभ्यास

एकाांकी से

1. 'सड़क केककनारेएक सदरुं फ्लैटमेंबैठकका दृश्य। उसका एक दरवाजा सड़क वालेबरामदेमें खलता है.....उस पर एक फ़ोन रखा है।' इस बैठककी परी ू तस्वीर बनाओ।

उत्तर

फर्शपर एक सन्दर कालीन कबछा है।एक तरफ सोफ़ा रखा है।उसकेसामनेएक छोटी और किजाइनदार मेजरखी हैकजस पर फूलदान तथा अख़बार और अन्य पकिकायेंरखी हईु हैं।सामने दीवार पर टेलीकवज़नलगा है।कोनेमेंएक छोटी मेजहैकजसपर एक टेलीफोनरखा है।कमरेकी कखड़ककयों और दरवाजेपर पदाशलगा हआु है।

2. माँमोहन के'ऐसे-ऐसे' कहनेपर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर

मोहन को पेटमेंददशहो रहा था कजसका कारण भी पता नहीं चल पा रहा था। कोई बड़ी बीमारी होने केबारेमेंसोचकर वह घबरा रही थी।

3. ऐसेकौन-कौन सेबहानेहोतेहैंकजन्हेंमास्टर जी एक ही बार मेंसनकर समझ जातेहै? ऐसेकछ बहानों केबारेमेंकलखो।

उत्तर

पेट मेंददश, कसर मेंददश, चक्कर आना, होमवकशकी कॉपी घर पर भलना◌ू आकद।

पष्ठृ सख्या◌ु◌ं: 71

भाषा की बात

• (क) मोहन नेके लाऔर सतरा◌ु◌ं
खाया। (ख) मोहन नेके लाऔर सतरा◌ु◌ं
नहीं खाया। (ग) मोहन नेक्या खाया?
(घ) मोहन के लाऔर सतरा◌ु◌ं खाओ।
उपयक्तुश वाक्यों मेंसेपहला वाक्य एकाकी◌ु◌ं सेकलया गया है।बाकी तीन वाक्य देखनेमेंपहलेवाक्य से कमलते-जलतेहैं,पर उनकेअथशअलग-अलग हैं।
पहला वाक्य ककसी कायशया बात केहोनेकेबारेमेंबताता है।इसेकवकिवाचक वाक्य कहतेहैं। दसरेूवाक्य का सबं◌ि◌ु◌ंउस कायशकेन होनेसेहै, इसकलए उसेकनषे◌िवाचकवाक्य कहतेहै।(कनषे◌ि का अथशनहीं या मनाही होता है।)
तीसरेवाक्य मेंइसी बात को प्रश्न केरूप मेंपछा◌ू जा रहा है, ऐसेवाक्य प्रश्नवाचक कहलातेहैं।
चौथेवाक्य मेंमोहन सेउसी कायशको करनेकेकलए कहा जा रहा है।इसकलए उसेआदेर्वाचक वाक्य कहतेहैं।
अगलेपष्ठृ पर एक वाक्य कदया गया है।इसकेबाकी तीन रूप तम सोचकर कलखो -
बताना : रुथ नेकपड़ेअलमारी मेंरखे।
नहीं/मना करना : ______________________
पछना◌ू : ______________________
आदेर्देना: ______________________

उत्तर

बताना : रुथ नेकपड़ेअलमारी मेंरखे।

नहीं/मना करना : रुथ नेकपड़ेअलमारी मेंनहीं रखे।

पछनाू :क्या रुथ नेकपड़ेअलमारी मेंरखे?

आदेर्देना: रुथ कपड़ेअलमारी मेंरखो।